विनाश के कगार पर पाकिस्तान

परत-दर-परत

प्रभात कुमार रॉय

पाकिस्तान के कराची नेवल बेस पर जेहादी आतंकवाद की सरगना तंजीम तहरीक ए तालीबान के भयानक आत्मघाती आक्रमण ने तकरीबन 50 अरब से अधिक का नुकसान पाकिस्तान नेवल फोर्स को पंहुचाया। इससे कहीं अधिक नुकसान पाकिस्तान फौज की मॉरल फोर्स को हुआ है, जो कि जेहादी आतंकवाद के आक्रमण से अपने सबसे मजबूत गढ़ों तक की हिफाजत करने में अक्षम सिद्ध हुई है। पाकिस्तानी फौज और तालीबान के मध्य वास्तविक संघर्ष वस्तुतः अफगानिस्तान-पाकिस्तान के सरहदी इलाकों तक सीमित रहा। तोरखम के सीमांत इलाकों मिंगोरा और कोहाट में तहरीक ए तालीबान के आत्मघाती हमले जारी रहे हैं। स्वात घाटी और बहालपुर को जेहादी आतंकवादियों ने अपना गढ़ बना लिया। यहां तहरीक ए तालीबान और जैश ए मोहम्मद संयुक्त तौर पर सक्रिय हैं। तहरीक ए तालीबान का सर्वोच्च सरगना कमांडर हकीमुल्ला मसूद है, जिसे कभी पाकिस्तान आइएसआइ के ताकतवर हुक्मरानों का वरदहस्त हासिल रहा। सरगना कमांडर हकीमुल्ला मसूद का भाई तालीबानी कमांडर कारी हुसैन है जो अपने दुश्मनों के छोटे-छोटे टुकड़े काटने के लिए कुख्यात रहा है। सरहदी कबीलियाई इलाकों से बाहर निकल कर तहरीक ए तालीबान के जेहादी पाकिस्तान के पंजाब क्षेत्र में यदा-कदा आत्मघाती आक्रमण करते रहे हैं। इस बार अपने सबसे बड़े सरगना ओसामा बिन लादेन और मुल्ला उमर की हलाकत का प्रतिशोध लेने के लिए कराची नेवल बेस पर हमला बोल दिया।

पाकिस्तान की नागरिक राजसत्ता और जेहादी आतंकवादियों के मध्य वहशियाना खूनी जंग बाकायदा जारी है। इस अंदरूनी जंग के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार स्वयं पाकिस्तानी राजसत्ता रही है, जिसने कि 1978 से दो दशक तक जेहादी आतंकवादियों को अमेरिकी और सउदी अरब के पैट्रो डालर के बलबूते पाला पोसा और परवरिश अंजाम देकर अति शक्तिशाली जेहादी जिन्न के तौर पर तशकील किया। इस जेहादी जिन्न ने बेहद ताकतवर होकर अफगानिस्तान में सोवियत फौजों को परास्त कर दिखाया, भारतीय कश्मीर में कोहराम मचाया और अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया। इसके बाद जेहादी जिन्न ने स्वयंभू होकर अपने आका का हुक्म बजा लाने से स्पष्ट इंकार कर दिया और अपने बड़े आका अमेरिका पर भयावह आतंकवादी आक्रमण कर दिया और अपने छोटे आका पाकिस्तान को पूरी तरह से निगलने के लिए उद्यत हो उठा। जेहादी जिन्न का खात्मा करने के लिए अमेरिका विगत दस वर्षों से औसतन 150 बिलियन डालर प्रतिवर्ष खर्च कर रहा है और अपने सैन्य योद्धाओं की बलि भी चढ़ा रहा है।

व्यापक पाकिस्तानी राजसत्ता के अंदर ही अक्षुण्ण रूप से एक और राजसत्ता का केंद्र कायम रहा है, जिसे पाकिस्तानी आइएसआइ के तौर पर जाना जाता है। जेहादी जिन्न की तर्ज पर पाकिस्तानी आइएसआइ भी एक स्वयंभू सत्ता के तौर पर बाकायदा कायम रही है और इस पर पाकिस्तान की नागरिक राजसत्ता का कारगर नियंत्रण कदाचित कायम नहीं हो सका। पाकिस्तानी आइएसआइ के डिपोजाल पर अकूत पैट्रो डालर रहा करते हैं। अकूत पैट्रो डालर के दमखम पर आइएसआइ आज भी अनेक जेहादी तंजामों को प्रश्रय प्रदान किए हुए है। भारतीय कश्मीर में जेहाद का संचालनकर्ता जैश ए मौहम्मद सरगना मौलाना अजहर मसूद बाकायदा आइएसआइ के प्रश्रय में है और कश्मीरी जेहाद पर खुले आम जन सभाएं आयोजित किया करता है। तहरीक ए तालीबान कमांडर हकीमुल्ला मसूद के साथ मौलाना अजहर मसूद और लश्कर ए तयैबा के सरगना हाफिज मौहम्मद सईद के घनिष्ट रिश्तों का पर्दाफाश हाल ही में सीआइए की खास रिपोर्ट में किया गया। लश्कर ए तयैबा के सरगना हाफिज मौहम्मद सईद वह ताकतवर जेहादी है, जिसका नाम मुंबई पर आतंकवादी आक्रमण के सिलसिले में बार-बार सामने आया। लश्कर ए तयैबा के सरगना हाफिज मौहम्मद सईद की सांठगांठ शुरू से ही अलकायदा और तहरीक ए तालीबान के साथ रही है। पाकिस्तानी राजसत्ता पर आइएसआइ के जबरदस्त प्रभाव के कारणवश ही मौलाना अजहर मसूद और हाफिज मौहम्मद सईद को गिरफ्तार नहीं किया गया, न लश्कर ए तयैबा और जैश ए मौहम्मद सरीखी आतंकवादी तंजीमों को पाकिस्तान में प्रतिबंधित किया गया।

> पाकिस्तान की नागरिक राजसत्ता और जेहादी आतंकवादियों के मध्य वहशियाना खूनी जंग बाकायदा जारी है

जिस राष्ट्र में राजसत्ता के दो विरोधी केंद्र एक साथ विद्यमान हो, उस राष्ट्र को नष्ट होने से कैसे कोई बचाएगा? नागरिक राजसत्ता का केंद्र जेहादी आतंकवाद का मुखालिफ बनकर उभरा है, किंतु उसकी ताकत सीमित है और वह राजसत्ता के दूसरे केंद्र आइएसआइ को अपने आधीन करने में असफल साबित हुई है। एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान जेहादी आतंकवाद से युद्धरत भी है और उसकी अनेक तंजीमों को प्रश्रय भी दे रहा है। अंतरविरोध से परिपूर्ण पाकिस्तानी रणनीति के कुपरिणाम उसके समक्ष आ ही चुके है कि अब पाकिस्तानी राजसत्ता के मजबूत फौजी किले को जेहादी आतंकवाद ने निशाना बना लिया। पाकिस्तान का जेहादी आतंकवादियों के हाथों विध्वंस होता देख, भारत भी हैरान और परेशान है। पाकिस्तान की सरजमीं पर जेहादी आतंकवादियों की कामयाबी भारत के अस्तीत्व लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान के सीने पर लगे जेहादी जख्मों की तल्खी और तुर्शी को भारत तन-मन की अत्यंत गहरी संवेदना के साथ महसूस कर सकता, जिसने जेहादी आतंकवाद के हाथों सबसे ज्यादा जख्म झेले हैं और अपने एक लाख से अधिक लोगों का बलिदान किया है। एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान को यदि कायम बने रहना है तो उसे अपने अंदर के जेहादी गद्दारों से पूर्णतः निपटना ही होगा। सभी जेहादी तंजीमें पाकिस्तान के अस्तीत्व लिए खतरनाक कैंसर बन चुकी हैं।

मोबाइल:09319310533

Reproduced by www.lobbyshobby.com with author's permission